(घ) और (ङ.) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड का गठन, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान राज्यों की सहमति से, संसद द्वारा पारित एन० सी० आर० प्लानिग बोर्ड एक्ट 1985 के अन्तर्गत किया गया था। बोर्ड के गठन के उद्देश्य इस प्रकार हैं:-

क्षेत्र के विकास के लिए योजना तैयार करना तथा इसके कार्यान्वन के लिए तालमेल तथा निगरानी करना।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भू-उपयोग नियंत्रण तथा अवस्थापना विकास के लिए सुसंगत नीति तैयार करना ताकि उसके असंगत विकास पर रोक लगाई जा सके।

1. दिल्ली में अप्रत्याशित जनसंख्या वृद्धि और उसमें नागरिक सेवाओं पर पड़ने वाले अत्यधिक दबाव को ध्यान में रख कर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड ने 1989 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए एक क्षेत्रीय योजना 2001 बनाई। इस योजना के उद्देश्य इस प्रकार हैं:-

20 लाख आबादी को अन्यत्र बसा कर दिल्ली पर जनसंख्या दबाव कम करना तथा

दिल्ली परिक्षेत्र, हरियाण के 6 जिलों, उत्तर के 3 जिलों और राजस्थान के अलवर जिले के कुछ हिस्से को मिलाकर 30,242 वर्ग कि०मी० अन्तर्राज्यीय क्षेत्र का विकास करके, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का संतुलित और सुसंगत विकास करना।

2. इस योजना के कार्यान्वयन के तीन नीतिगत अंचल बनाए गए हैं जो इस प्रकार हैं:-

I. सीमित विकास के लिए राष्ट्रीय राजधानी परिक्षेत्र दिल्ली

II. मर्यादित विकास के लिए, दिल्ली मेट्रोपोलिटन क्षेत्र

III. अभिप्रेरित विकास के लिए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का शेष पूरा क्षेत्र

3. 20 लाख की लक्षित आबादी को बाहर बसाने के लिए एन० सी० आर० योजना में दिल्ली मेट्रोपोलिटन क्षेत्र के 6 शहरों अर्थात-गजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद, गुडगांव, बहादुरगढ़ तथा कोण्डली और 8 प्राथमिकता कस्बों/परिसरों यथा मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर-खुर्जा परिसर, पानीपत रोहतक, पलवल-रेवाड़ी-धारूहेड़ा-भिवाड़ी परिसर और अलवर का निर्धारण किया गया है, ताकि वहां आर्थिक कार्यकलापों के लिए स्थान उपलब्ध कराया जा सके।

4. क्षेत्रीय योजना -2001 में आबादी (पुनर्वर्गीकरण) बसाव प्रणाली, क्षेत्रीय भू-उपयोग पद्धतियों, पर्यावरण कारकों, आर्थिक कार्यकलापों और अवस्थापना सुविधाओं संबंधी नीतिगत ढांचे के माध्यम से अपने उद्देश्य पाने का प्रयास होगा।

Exploration work for Dwarka

2861. SHRI JAGIR SINGH DARD:

DR. SHRIKANTRAM CHANDRA JICHKAR:

Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether the exploration work related to the Dwarka found in the Ocean bed is over;

(b) if so, what are the findings and their significance thereof; and

(c) if the answer to part (a) above be in the negative, by when it would be completed?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION AND MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (SHRI YOGINDER K. ALAGH): (a) The marine archaeological exploration work relating to Dwarka is a continuing activity although some specific projects have been completed.

(b) The explorations have found remains of an ancient harbour including bastions and walls and parts of boats such as anchors and marts besides some metal artefacts.

It is inferred from the findings that the inhabitants had knowledge of boat building, harbour construction and metals.

(c) Does not arise.

आधुनिकीकृत विद्युत संयंत्र

2862. **श्री नागमणि:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार ने गत दो वर्षों के दौरान किन-किन विद्युत केन्द्रों और विद्युत संयंत्रों का आधुनिकीकरण किया है और उनका दर्जा बढ़ाया है; और